2312

यूरोप का इतिहास

द्वितीय भाग
(1789—1914)

प्रो. वी. एम. वासुदेव
प्रो. जी. कुमार

Scanned by TapScanner

विषय सूची

1. **क्रान्ति से पूर्व योरुप—** .....1—48
राजनीतिक दशा :—फ्रांस (4), आस्ट्रिया (7), जर्मनी (9), प्रशा (10), रूस (11), इंग्लैंड (14), स्पेन (16), स्विज़रलैंड (18) पोलैंड (18—21) स्वीडन (21), डेनमार्क एवं नार्वे (22), इटली (23) होलेण्ड (24), तुर्की (25), पुर्तगाल (26), समाजिक दशा (28—36), आर्थिक दशा (36—38), धार्मिक दशा (38—43), सैनिक अवस्था (43) नारियों की अवस्था (44) पारस्परिक सम्बन्ध (45—48)।

2. **बौद्धिक क्रान्ति—** .....49—80
वैज्ञानिक उन्नति (53) संगीत में उन्नति (55), साहित्यक उन्नति (57), अर्थशास्त्रीय उन्नति (60), इनसाइकलोपीडियस्टस (62), राजनैतिक दार्शनिक (62), हाब्स (63), लाक (66), रूसो (69-73) मान्टेस्क्यू (73) बाल्तेयर (74), विषप वकर्ले (76), धार्मिक विचारक एवं सुधारक (76), वैद्धिक क्रान्ति का प्रभाव (77—80)।

3. **फ्रांस की राज्य क्रान्ति के कारण—** .....81—117
राजनैतिक दशा (82), अयोग्य उत्तराधिकारी (85), दूषित सैनिक अवस्था (86), दूषित न्याय प्रणाली (87), सामाजिक असमानता (89—92), धार्मिक अवस्था (92), साहित्यकार एवं दार्शनिक (93-100), आर्थिक दशा (100), लुई सोलहवें का व्यक्तिगत चरित्र (102), मेरी एतान्ते का उत्तर-दायित्व (104), सुधारों में असफलता (106), बाह्य प्रभाव (108), प्रबुद्ध मध्य वर्ग (110), फ्रांस का थोड़ा क्षेत्रफल (112), नये करों की अस्वीकृति, 1789 का भीषण अकाल (112), अलोचना (113—114), क्या क्रान्ति अनिवार्य थी (115—117)।

4. **क्रान्ति का प्रभाव**—(स्टेट्स जनरल से नेशनल असैम्बली तक)...118—155
संघर्ष का आरम्भ, स्टेटसजनरल (118—121), टेनिसकोर्ट की शपथ (122), राजकीज्ञ अथिवेशन (124) राजा का झुकना (125), वेस्टाईल का पतन (126), राष्ट्रीय सभा का अधिवेशन (127—132), राष्ट्र सभा की उपलब्धियां (134), दास प्रथा का अन्त (134), मानवीथ अधिकारों की घोषणा (135), स्थानीय शासन में सुधार (141), न्याय अवस्था में सुधार (141), राष्ट्रीय एकता (142), चर्च सम्पत्ति का छिनना (143) आर्थिक सुधार (144), पादरियों का नागरिक संविधान (145), नया संविधान (147), सभा के कार्यों का सर्वेक्षण (155)।

Scanned by TapScanner

5. क्रान्ति का प्रसार एवं व्यवस्थापिका सभा— .....159—186
व्यवस्थापिका सभा (162—163), व्यवस्थापिका सभा में दलबन्दी (164), व्यवस्थापिका सभा का राजा से मतभेद (166), राजा द्वारा कानूनों की अस्वीकृति (167), सभा का संघर्ष (167—169), विदेशी शक्तियों का विरोध (169—175), युद्ध में फ्रांस की असफलता (175—78), ब्रन्सविक की घोषणा (179), सितम्बर का हत्याकाण्ड (182—184), गणतन्त्र की स्थापना (186)।

6. राष्ट्रीय सम्मेलन एवं आंतक राज्य .....187—227
सम्मेलन के अन्दर दलबन्दी (187—190), सम्मेलन सम्मुख समस्याएं (191), राजा को मृत्यु दण्ड (190), विदेशी आक्रमणों से देश की रक्षा (193—201), गृहनीति :—आंतरिक विद्रोह का दमन (203-206) फ्रांस में गणतन्त्र की घोषणा (206), सुदृढ़ सरकार, सैन्यवाद का प्रचार (207), राष्ट्रीयता का प्रचार, अस्थाई सरकार का निर्माण, संदेह कानून (208), पंचांग में परिवर्तन, कानून संहिता (209), दशमलव प्रणाली, धार्मिक प्रयोग (210), आंतरिक सुधार, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय भूमि का विक्रय (211), सदाचार पर आधारित गणतन्त्र, शिक्षा सम्बन्धी सुधार (212), नया संविधान, दो पूरक अज्ञाप्तियां (213), आंतक राज्य (214), आंतक राज्य की समाप्ति (214-21) समीक्षा (221-224) थर्मीडोर की प्रतिक्रिया (224—226), नेशनल कन्वेंशन के कार्यों का मुल्यांकन (226—27)।

7. संचालक पंचायत .....228—249
गृह नीति (229), उपद्रवों का दमन (229), नवजीवन संचार, आर्थिक सुधार (230), विदेशी नीति :—आस्ट्रिया से युद्ध (231), नेपोलियन तथा इटली (232—34), कैम्पोफोर्मियों की सन्धि (234—36) इंग्लैण्ड से समुद्री युद्ध (236—37), प्रथम गुट की असफलना के कारण (239), नेपोलियन का मिस्र युद्ध (239-243), नेपोलियन की वापसी (243), डायरेक्टरी का पतन (244), नवम्बर का कुदेतां अथवा सिंहासन का पलटना (246—49)।

8. राजनैतिक दल (जिरोंदिस्ट-जैकोजिन) एवं क्रान्ति के महान् व्यक्ति .....250—285
दोनों दलों के लक्ष्य आदेश, पतन के कारण परिणाम संघर्ष (250—61) मिराबू (262—69), राब्सपीयर (269—76), दान्ते (276—80), सेन्टजस्ट (280), कार्नेट (281), मरात 282), सीज़ (283—85)।

9. नेपोलियन बोनापार्ट (जन्म से प्रथम कांसल तक) .....286—299
प्रारम्भिक जीवन (280), सेना में प्रवेश (287), डाइरेक्टरी के समय शत्रुओं से फ्रांस की रक्षा (290—96), नवम्बर में सिंहासन का तख्ता पलटना और प्रथम कांसल के रूप (297—99)।

Scanned by TapScanner

10, नेपोलियन बोनापार्ट (प्रथम कांसल से सम्राट् तक) .....(300—334)
गृह नीति (301), स्थानीय शासन व्यवस्था (302), न्याय में सुधार (303) मन्त्री मण्डल में परिवर्तन, केन्द्रीय सचिवालय की स्थापना, कर सम्बन्धी समानता (304), आर्थिक सुधार (305), सम्मानित व्यक्तियों के दल की स्थापका, प्रवासियों को क्षमा करना (312), आजीवन कांसल बनना (313) वर्ष दश का संविधान (31+), षड्यन्त्रों का दमन, वर्ष बारह का संविधान एवं सम्राट् बनना (315), नेपोलियन के कानून (316—19), शिक्षा सम्बन्धी सुधार (319), लोक सेवा के कार्य (320), सैन्यसुधार, ललितकलाओं में प्रोत्साहन (321), पेरिस का सुन्दर बनना (322), सुधारों का मूल्यांकन (322—326) विदेश नीति :—द्वितीय गुट से रक्षा (327—29), इंग्लैंड से एमिया की सन्धि (330—34)।

11. नेपोलियन बोनापर्ट (सम्राट् से पतन तक) .....335—377
सम्राट् की विदेश निति (339), तृतीय गुट से संघर्ष, ट्रेफलगर का युद्ध (339), प्रशा एव रूस की युद्धों में पराजय (343), टिलसिट की सन्धि (344—48) महाद्विपीय व्यवस्था (348—51), इंग्लैंड की प्रतिक्रिया (351), व्यवस्था का लागू करना (352—57), महाद्विपीय व्यवस्था की असफलता के कारण (357), महाद्विपीय युद्ध (358—64), अन्य शक्तियों से संघर्ष (364—69), मास्को अभियान (371); चतुर्थ गुट से संघर्ष (372—76), वाटरलू का युद्ध (376—77)।

12. नेपोलियन बोनापार्ट (पतन के कारण व्यक्तित्व) .....378—402
पतन के कारण (378—390), व्यक्तित्व एवं समीक्षा (390—97) मूल्यांकन (398—402)।

13. फ्रांस की क्रान्ति के परिणाम .....403—415
योरुप के देशों पर प्रभाव—(404—409), मानवीय अधिकारों की घोषणा (410) वैधानिक समानता, नये राजनैतिक विचार (411), लोकतन्त्र का प्रादुर्भाव (412), साहित्य पर प्रभाव, कल्याण कार्य (414—15)।

14. वियाना की सभा एवं योरुप संघ— .....416—455
कांग्रेस के नेता (416), वियाना सभा की समस्याएं (419) कांग्रस के सिद्धान्तों पर योरुप के नवीन मानचित्र का निर्माण (420—27) कांग्रेस के कार्यों की आलोचना (427—35), योरुप संघ (435), पवित्र संघ (135), एक्सलाशेपल सम्मेलन (440), ट्रोपू सम्मेलन (444) लिवाक सम्मेलन (446), विरोना सम्मेलन (446), पीटर्स वर्ग सम्मेलन (449) संयुक्त व्यवस्था के कार्यों की समीक्षा एवं पतन के कारण (449—52), बेल्जियम का स्वतन्त्रता संग्राम (452—55)।

Scanned by TapScanner

15. **फ्रांस** (1815–1870)— .....456—490)
लुई अठारहवें का शासन (456), राजनैतिक दल बन्दी (457), लुई 18वें के कार्य (459—63), चार्ल्स दशम के कार्य (463—67), जुलाई-क्रान्ति का महत्त्व (467—73), लुई फिलिप (473), लुई फिलिप की नीति एवं कार्य (475—79), 1848 ई० की क्रान्ति (480—482) क्रान्ति का महत्त्व (483—84), नेपोलियन III का उत्कर्ष (484), राष्ट्रपति के रूप में (485), 1852 ई० का संविधान एवं नेपोलियन III का सम्राट् बनना (486), गृहनीति (486—487), विदेश नीति (487—90)।

16, **रूस एवं पूर्वी समस्या** (1800—1870)— .....491—497
ज़ार एलेक्जेण्डर I (491), ज़ार निकोलस I (492), ज़ार एलेक्जेण्डर II (492—93), पूर्वी प्रश्न की अभिव्याख्या (493) सर्विया का स्वतन्त्रता संग्राम (493), ग्रीस का स्वतन्त्रता युद्ध (494), नहमत अली पाशा एवं तुर्की सुल्तान (494), क्रीमिया का युद्ध एवं पेरिस की सन्धि (494—497)।

17. **आस्ट्रिया हंगरी** (1800—1870)— .....498—503
मेटरनिख का उत्कर्ष (498), गृहनीति (499), मेटरनिख और जर्मनी, इटली, स्पेन एवं रूस (500), मेटरनिख और इंग्लैण्ड एवं फ्रांस (501), मेटरनिख के कार्यों का मूल्यांकन (502), हंगरी का स्वतन्त्रता संघर्ष (502—503)।

18. **इटली एवं जर्मनी का एकीकरण**— .....504—516
इटली की समस्याएं (504), नेपल्स का विद्रोह, पिडमाण्ड का विद्रोह, जौलाई क्रान्ति का प्रभाव, 1848 ई० की क्रान्ति का प्रभाव (505), 1848 तक असफलता के कारण (506), कैबूर का उत्कर्ष (506), फ्रांस से सहायता (507), सिसली एवं नेपल्स का विलय (508), बनीशिया का विलय (508), रोम का विलय (508), जर्मनी एकीकरण की समस्याएं (509), कार्ल्सवाद अज्ञप्तियां (510) विलियम चतुर्थ का शासन काल (510), 1848 ई० की फ्रेन्कफोर्ट संसद् की असफलता के कारण (511), जर्मन सम्राट् विलियम प्रथम (511), विस्मार्क का उत्कर्ष (512), डेनिश युद्ध (513), आस्ट्रो प्रशियन युद्ध, फ्रेंको प्रशियन युद्ध (514), फ्रेंकोफोर्ट की सन्धि (515)।

19. **जर्मनी** (1870-1914) .....517—546
एकीकरण के पश्चात् नया संविधान (517—518), विस्मार्क-गृहनीति :— साम्यवादी और विस्मार्क (519) सामाजिक कानून (520) अल्पसंख्यक जाति सम्बन्धी नीति (521), संरक्षण नीति (522), कल्चर केम्फ चर्च के विरुद्ध

Scanned by TapScanner

कार्यवाही (525-27), परराष्ट्र नीति (528), नीति के मुख्य उद्देश्य (529), तीन सम्राटों का संघ (530), शानब्रुन कन्वेन्शन (531), द्विगुट का निर्माण 532, त्रिगुट का निर्माण (533), रुमानिया इंग्लैंड से सम्बन्ध (533), विस्मार्क का पतन (535), विस्मार्क के कार्यों का मूल्यांकन एवं चरित्र (536-38,) विलियम द्वितीय के कार्य (538—39), सैनिक नीति, औद्योगिक उन्नति, साम्यवाद की प्रगति (540), उपनिवेशक उन्नति, विदेश नीति (541), रूस एवं तुर्की से सम्बन्ध (542), जर्मनी तथा इटली, जर्मनी तथा इंग्लैंड (543), क्रुगर का तार और विलियम का युद्ध के प्रति उत्तरदायित्व (544—46)।

20. **फ्रांस** 1870—1914 .....547—562

तृतीय गणराज्य की स्थापना, फ्रैन्कफर्ट की सन्धि (547), पेरिस कम्यून का विद्रोह (548), भयंकर दलबन्दी (549), नया संविधान (549-50), फ्रांस के तृतीय प्रजातन्त्र के खतरे (550) नए चुनाव, गणतन्त्र की रक्षा (551), जनरल बौलेंगर, पनामा नहर की समस्या (552), ड्रेफस का मामला (553), धार्मिक नीति (554-55), श्रमिक सुधार, अन्य कार्य (556), विदेश नीति (557-58) रूस से सन्धि, इंग्लैंड से मैत्री (559) फ्रांस तथा इटली, स्पेन, मोराक्को (560) केसाबलांका का मामला, अगदीर की घटना (561), समीक्षा (562)।

21. **रूस** 1870—1914 .....563—581

ज़ार एलक्जेन्डर द्वितीय (563), गृहनीति (563), न्याय सम्बन्धी सुधार, जेम्स्टवो पोलैण्ड का विद्रोह, निहिलिस्ल (565—66), विदेश नीति (567), एलेक्जेंण्डर तृतीय (567), अल्पसंख्यक अरुसी जातियां (568), औद्योगिक विकास (569), जार निकोलस द्वितीय, गृहनीति (569), विभिन्न राजनीतिक दल (570), 1905 की क्रान्ति (571-74) जार की नीति में परिवर्तन (574), प्रथम ड्यूमा (575), द्वितीय तथा तृतीय ड्यूमा (576), विदेश नीति (577), रूस एवं जापान युद्ध (577—580), पोर्ट समाउथ की सन्धि (580), युद्ध के परिणाम (580—81)।

22. **इंग्लैंड** 1870—1914 .....582—591

साम्राज्ञी विक्टोरिया का शासन (582), विदेश नीति एवं साम्राज्य विस्तार (582—86), बोर युद्ध 583, मिस्र की घटनाएं (585), सूडान पर अधिकार (586), शानदार पृथ्यकरण नीति का परित्याग (587), जापान से सन्धि (587) फ्रांस से सन्धि (588) रूस से मैत्री समझौता (588) जर्मनी से सम्बन्ध (589—91)।

23. **पूर्वी समस्या** 1870—1914 .....592—616

बोसनियर एवं हर्जोगोवीना का विद्रोह (592), अन्य देशों में इसकी प्रतिक्रिया (593), बल्गारिया की विभीषका (593) सर्विया का युद्ध में आ जाना (594),

Scanned by TapScanner

रूस तुर्की युद्ध (595), सास्टीफीनो की सन्धि (596), अन्य देशों का विरो
598, बर्लिन की सन्धि (599-602), बर्लिन सन्धि की समीक्षा (602—05)
बर्लिन सन्धि के पश्चात् की पूर्वी समस्या (605), बल्गारिया (605—07)
आर्मीनिया की समस्या (607), ग्रीस की समस्या (608), रुमानिया (609)
मान्टीनीग्रो (610, सर्विया (610), जर्मनी की बल्कान नीति (611), तुर्की क
आन्तरिक स्थिति (611), तरुण तुर्क क्रान्ति (612), इटली तुर्की युद्ध 612
बोसीनिया की समस्या (612), प्रथम बल्कान युद्ध (614), लंदन की सन्धि
(615) द्वितीय बल्कान युद्ध (615), बुखारिस्ट की सन्धि (615), द्वितीय
बल्कान युद्ध के परिणाम (616)।

24. अफ्रीका का विभाजन .....617—

यूरोप का अफ्रीका की ओर ध्यान (618), कांगोफ्रीस्टेट (620), जर्मनी एवं अफ्रीका (620), फ्रांस एवं अफ्रीका, (621), इटली एवं अफ्रीका 622, इंग्लैण्ड एवं अफ्रीका (623), अन्य देशों के उपनिवेश (624)।

25. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (1870—1914) .....626—6

तीन सम्राटों का संघ (626), द्विगुट, त्रिगुट (627), तीन सम्राटों के संघ का अन्त (628), पुनः आश्वासन सन्धि (628), फ्रांस-रूस सन्धि (628), फ्रांस—इंग्लैण्ड की सन्धि (629), इंग्लैण्ड रूस समझौता (630), इंग्लैण्ड—जर्मनी सम्बन्ध एवं हाल्डेन मिरान (631)।

26. प्रथम विश्व युद्ध .....633—4

प्रथम विश्व युद्ध के कारण :—नवीन प्रवृत्तियों का जन्म (633), पूंजीवाद का जन्म एवं विस्तार 634, गुप्त सन्धियां 634, बिश्व का सिकुड़ना (636), सैन्यवाद (636), राष्ट्रीयता (637), दूषित प्रापोगण्डा (639), साम्राज्यवाद 640, अन्तर्राष्ट्रीयता का आभाव (641), अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय का न होना 641, विलियम द्वितीय की महत्त्वकांक्षा (641), जर्मनी में प्रशियन विचारों का प्राबल्य (642), जर्मन फ्रांस वैमनस्य (642), रूस आस्ट्रिया शत्रुता (643), रूस-जर्मनी शत्रुता (643), इटली-आस्ट्रिया वैमनस्य (643), कूटनीति (643), इंग्लैण्ड की अस्पष्ट नीति (644), बल्कान युद्ध (644), तत्कालिक कारण (644)।

———

Scanned by TapScanner